सूरह ज़लज़लाह

- **बिस्मिल्लाह-हिर्रहमा-निर्रहीम**

शुरू करता हूं अल्लाह के नाम से जो निहायत रेहम करने वाला है।

- **इज़ा जुल ज़िलतिल अरज़ु ज़िल ज़ा लहा**

जब ज़मीन जलज़ले (भूचाल) से हिला दी जाएगी।

- **व अख़ रजतिल अरज़ु अस्क़ालह**

और ज़मीन अपने अंदर से सारे बोझ निकाल फेकेगी।

- **वक़ालल इंसानु मा लहा**

और इंसान कहेगा कि उस (ज़मीन) को क्या हुआ है।

- **यौ मइज़िन तुहददासु अख़बा रहा**

उस रोज़ वो अपने हालत खुद बयान करेगी।

- **बि अन्ना रब्बका अव्हा लहा**

क्योंकि तम्हारे परवरदिगार ने उसको हुकुम भेजा होगा।

- **यौ मइज़िन यस दुरून नासु अशततलला युरव अअ’ मालहुम**

उस दिन लोग झुंड के झुंड हो कर आएंगे ताकि उन के अमाल उन्हें नज़र आयें।

- **फमय यअ’मल मिस्क़ाला ज़र रतिन खैयरन यरह**

अगर किसी ने ज़र्रा बराबर भी नेकी कि होगी तो वो उसे देख सकेगा।

- **वमै यअ’मल मिस्क़ाला ज़र्रतिन शररन यरह**

और अगर किसी ने ज़र्रा बराबर भी बुराई की होगी तो वो उस को देख सकेगा।

DeenHindi.com